पंजीकृत क्र. 5222/80-81

संस्कार भारती
कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था
केन्द्रीय कार्यालय : 33 दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली 110 002. भारत. दूरभाष : 9871196633 ईमेल : sanskarbharati1981@gmail.com

अध्यक्ष : श्री वासुदेव कामत **महामंत्री** : श्री अमीर चन्द **कोषाध्यक्ष** : श्री सुभाष चन्द अग्रवाल

प्रस्ताव
कोरोना काल में कलाकारों की आर्थिक सहायता व उनके सम्मान रक्षा की आवश्यकता

(संस्कार भारती की अखिल भारतीय साधारण सभा में दिनांक 4 अक्टूबर 2020 को पारित प्रस्ताव)

दुश्वारियों से भरे इस कोरोना कालखंड में, सहज मानवीय संवेदना, सह-संबंध व सेवा जैसे श्रेष्ठ भारतीय मूल्यों का दर्शन समाज को हुआ है। समाज में यह भावना बनी और बढ़ती रहे, इसमें साहित्यकारों-कलाकारों का भी प्रमुख योगदान रहा है।

प्रत्यक्षत: सांस्कृतिक गतिविधियां और कला प्रस्तुतियां बंद होने के कारण कलासाधकों को बहुत पीड़ा, विशेषत: आर्थिक कठिनाईयों का सामना करना पड़ा है। इनमें भी लोक तथा जनजातीय कलाकारों सहित कला क्षेत्र से जुड़े तंत्रज्ञ, संगतिकर्ताओं, तथा मंच के पार्श्व में कार्यरत कलाकार और मूर्तिकार - शिल्पकारों की स्थिति अत्यन्त विकट है। कला क्षेत्र के लिए स्थिति सामान्य होने के विषय में भी अभी अनिश्चितता का ही वातावरण है।

ऐसे समय में अनेक कला सेवी संस्थाएँ तथा सुविधा सम्पन्न कलाकार इन ज़रूरतमंद कलासाधकों की मदद के लिए आगे आए हैं। संस्कार भारती ने भी, अपनी देशभर में स्थित प्रांतीय इकाइयों के प्रयास से अब तक लगभग 71,210 (इकहत्तर हजार दो सौ दस) कलासाधकों तक सहायता पहुँचाने का कर्तव्य निभाया है। संस्कार भारती की यह अखिल भारतीय साधारण सभा, इस सहायता कार्य में लगे हुए सभी व्यक्तियों, संस्थाओं और कार्यकर्ताओं की भूरि भूरि प्रशंसा करती है। यह सभा, केंद्र सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा कलाकारों की सहायता करने के अनेक प्रयासों की भी सराहना करती है। साथ ही साथ, वर्तमान परिस्थिति की अनिश्चितता को देखते हुए यह भी अनुभव होता है कि ये प्रयास पर्याप्त नहीं हैं।

यह साधारण सभा सरकार से अपील करती है कि कलाकारों के आनलाइन अथवा प्रत्यक्ष कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों, साक्षात्कारों, साहित्यिक व्याख्यानों ,काव्यपाठों इत्यादि की संख्या बढ़ाकर इस हेतु उचित आर्थिक मानदेय की व्यवस्था सुनिश्चित करे ताकि कलाकारों के स्वाभिमान की रक्षा के साथ साथ उनका आर्थिक सहयोग भी हो सके।

सरकार द्वारा कलाकारों व कला संस्थाओं के बहुत समय से लंबित सभी अनुदानों, छात्रवृतियों, अध्येतावृत्तियों इत्यादि को तुरंत जारी करने से भी सभी स्तर के कलासाधकों को बड़ी राहत मिलेगी और उनकी गरिमा की रक्षा भी होगी।

कलाकार किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान होते हैं।कलाकारों की सहायता प्रकारांतर से राष्ट्र की ही सहायता है। कोरोना के इस संकट काल में सरकार के साथ ही सभी गैर सरकारी संस्थाओं व उद्योग जगत से भी आह्वान है कि वे देशभर में सांस्कृतिक संरक्षण और कलासाधको में ऊर्जा भरने के लिए अधिक से अधिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाएँ।

हमें ध्यान रखना है कि हर साहित्यकार और कलाकार एक वृक्ष की तरह होता है जो धरती से जितना लेता है, आजीवन उसका कई गुना समाज को देता रहता है। और यदि सूख जाता है तो कई दशकों तक क्षतिपूर्ति संभव नहीं हो पाती है। साधारण सभा का यह मानना है कि साहित्यकार और कलाकार मुक्तात्मा ऋषि की भांति संस्कारों की साधना कर अपने देश की सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण तथा संवर्धन का महत्वपूर्ण कार्य कर रहें हैं।

अतः यह अखिल भारतीय साधारण सभा इस संकट काल से उबरने के लिए सभी कलासाधकों को हर संभव मदद करने की अपील करती है।

कलाकार ररहेंगे, तो कला रहेगी।
कलाएं बचेगी, तो संस्कृति बचेगी।।